राजकोषीय रस्साकशी: कर-संग्रह धीमा, सब्सिडी बढ़ी – घाटे का लक्ष्य टिकेगा?

समाचार-संदर्भ: 9 नवंबर 2026 | विषय: अर्थव्यवस्था
प्रकाशन: 10 नवंबर 2026
मुख्य परीक्षा: GS-III: भारतीय अर्थव्यवस्था, राजकोषीय नीति और विकास



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

CGA के सितंबर 2026 के अनंतिम खातों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर 2026 में केंद्र का राजकोषीय घाटा पूरे वित्त वर्ष के बजट-अनुमान का 42.1% रहा। केंद्र के शुद्ध कर-राजस्व में पिछले वर्ष की समान अवधि से 3.80% और प्रमुख सब्सिडियों में 10.15% की वृद्धि हुई।

बुनियादी जानकारी: राजकोषीय घाटा सरकार के कुल खर्च और गैर-उधार आय के अंतर को बताता है। इसकी भरपाई मुख्यतः उधार से होती है। बजट-अनुमान साल भर का लक्ष्य है; H1 का हिस्सा रफ्तार दिखाता है, अंतिम नतीजा नहीं।

आंकड़े क्या कहते हैं

केंद्र का राजकोषीय घाटा ₹7,14,413 करोड़ रहा, जबकि पूरे वर्ष का बजट-अनुमान ₹16,95,768 करोड़ है। गैर-कर राजस्व ₹4,80,732 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 3.14% अधिक है। कुल गैर-उधार प्राप्तियाँ ₹18,35,422 करोड़ और कुल व्यय ₹25,49,835 करोड़ रहे; इनमें क्रमशः 6.08% और 10.70% की वृद्धि हुई। इस लेख की वृद्धि-दरें CGA के समान-अवधि वास्तविक आँकड़ों से गणना की गई हैं।

दबाव के तीन केंद्र

कर-संग्रह: CGA के समान-अवधि आँकड़ों में निगम कर ₹5,65,545 करोड़ बनाम ₹4,66,634 करोड़ और निगम कर के अलावा आय पर कर ₹6,30,751 करोड़ बनाम ₹5,91,014 करोड़ रहे। इनकी वृद्धि क्रमशः 21.20% और 6.72% है। केंद्रीय GST की प्राप्तियाँ ₹5,35,877 करोड़ बनाम ₹4,66,736 करोड़ रहीं, यानी 14.81% की वृद्धि; यह पूरे देश के सकल GST संग्रह का आँकड़ा नहीं है।

सब्सिडी: खाद्य, पोषक-तत्व आधारित उर्वरक और यूरिया सब्सिडी बढ़ीं, लेकिन पेट्रोलियम सब्सिडी ₹6,716.68 करोड़ से घटकर ₹1,149.09 करोड़ रही। कुल प्रमुख सब्सिडियाँ ₹2,02,367.19 करोड़ से बढ़कर ₹2,22,904.97 करोड़ हुईं।

पूंजीगत व्यय: केंद्र का पूंजीगत व्यय ₹5,80,746 करोड़ से बढ़कर ₹6,54,547 करोड़ हुआ, यानी 12.71% की वृद्धि। यह विकास के लिए सकारात्मक है, लेकिन इससे व्यय भी बढ़ता है।

राहत का पक्ष: गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियाँ

CGA में विविध पूंजी प्राप्तियाँ ₹62,158.74 करोड़ हैं, जो ₹80,000 करोड़ के बजट-अनुमान का 77.7% है। इसमें "Receipts" ₹55,791.39 करोड़ और "Others" ₹6,367.35 करोड़ हैं। इस पूरी मद को सूचीबद्ध कंपनियों के विनिवेश से मिली रकम न मानें; गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियों में ऋण-वसूली भी अलग से शामिल है।

विश्लेषण: चिंता कितनी?

CGA स्पष्ट करता है कि मासिक घाटे का हिस्सा पूरे वर्ष के घाटे का अनिवार्य संकेत नहीं है: प्राप्तियों और खर्च के समय में अंतर साल के अंत तक काफी हद तक संतुलित हो सकता है। लेकिन H2 में कर-संग्रह बेहतर होता है और सरकार खर्च-प्रबंधन कर सकती है। फिलहाल यह अधिक ब्याज-भुगतान और भविष्य की नीतिगत मर्यादा का प्रश्न है, तत्काल संकट का नहीं।

विशेषज्ञों के अनुसार नाममात्र जीडीपी ग्रोथ अगर अनुमान से कम रही तो जीडीपी के अनुपात के रूप में घाटा-लक्ष्य पूरा करना कठिन होगा। इसलिए केवल ₹ लाख करोड़ के आंकड़े नहीं, जीडीपी अनुपात भी देखना चाहिए।

आगे की राह

हिस्सेदारी-बिक्री की गति, उत्सवी सीजन में GST संग्रह और खर्च-पुनर्निर्देशन तय करेंगे कि लक्ष्य टिकता है या संशोधित होता है।

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में केंद्र का राजकोषीय घाटा GDP के 4.3% पर अनुमानित है। यह GDP-अनुपात है; सितंबर तक 42.1% का आँकड़ा वार्षिक घाटे के रुपये वाले बजट-अनुमान के उपयोग का हिस्सा है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

अप्रैल-सितंबर 2026 के संदर्भ में विचार कीजिए:
1. केंद्र का राजकोषीय घाटा पूरे वर्ष के बजट-अनुमान का 42.1% रहा।
2. केंद्र के शुद्ध कर-राजस्व में पिछले वर्ष की समान अवधि से लगभग 3.8% की वृद्धि हुई।
3. प्रमुख सब्सिडियों में कमी आई।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) सभी

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a) केवल 1 और 2

प्रमुख सब्सिडियाँ घटी नहीं, बढ़ीं: ₹2,02,367.19 करोड़ से ₹2,22,904.97 करोड़, यानी लगभग 10.15% की वृद्धि। इसलिए कथन 1 और 2 सही हैं, कथन 3 गलत है।

राजकोषीय घाटे के संदर्भ में सही कथन चुनिए:
1. यह सरकार के कुल खर्च और गैर-उधार आय का अंतर है।
2. इसकी भरपाई मुख्यतः उधार से होती है।
3. यह केवल राजस्व खर्च को मापता है।

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) सभी

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) केवल 1 और 2

राजकोषीय घाटा कुल खर्च (राजस्व + पूंजीगत) और गैर-उधार आय का अंतर है; केवल राजस्व खर्च नहीं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

केंद्र के राजकोषीय घाटे में H1 की रफ्तार को देखते हुए लक्ष्य-विचलन के कारणों और संभावित सुधार-उपायों की चर्चा कीजिए। (250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: घाटे की परिभाषा और ताजा आंकड़ों से शुरुआत करें।

मुख्य भाग में: कर-संग्रह की धीमी रफ्तार, सब्सिडी-दबाव और capex की द्वैध भूमिका समझाइए; विनिवेश, GST गति और खर्च-पुनर्निर्देशन जैसे सुधार-मार्ग सुझाइए; जीडीपी अनुपात का महत्व बताइए।

निष्कर्ष में: संतुलित राजकोषीय समेकन पर उत्तर समेटिए - विकास-खर्च और अनुशासन का संतुलन।

स्रोत

1. CGA: सितंबर 2026 के अंत तक केंद्र सरकार के अनंतिम खाते
2. CGA: प्राप्तियों और खर्च का समान-अवधि मासिक विवरण
3. CGA: करों की मदवार प्राप्तियाँ
4. CGA: गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियों का विवरण
5. केंद्रीय बजट 2026-27: घाटे का सार (GDP के 4.3%)